

over Rs. 7 lakhs to the South Suburban Municipality, Behala, Calcutta on account of municipal rates and taxes for the period between 1963-64 to 1971-72 ;

(b) whether despite several requests and reminders from the Municipal authorities, these outstanding dues are not being cleared up by the Executive Engineer, Central Public Works Department, Div. 4 ; and

(c) if so, whether any action will be taken in the matter ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WORKS AND HOUSING (SHRI I. K. GUJRAL : (a) No, Sir. The position is that the Municipality had claimed about Rs. 8 lakhs on incorrect assessment. The correct amount due to them has been calculated at about Rs. 1 lakh and payment has been made accordingly.

(b) and (c). Does not arise.

उर्बरक के मूल्य

6106. श्री चन्मूलाल चन्म्राकर : क्या कृषि

मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विभिन्न प्रकार के उर्बरको के मूल्य वर्ष 1960, 1965, 1970 तथा 1972 में क्या क्या थे;

(ख) इनमें से किनना उर्बरक भारत में पैदा हुआ तथा कितना विदेशों से आयात किया गया है; और

(ग) आयातित उर्बरकों का मूल्य भारतीय पत्तनों पर घाने में कितना पड़ता है तथा देश में किस मूल्य पर बेचा जाता है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णा साहिब वी० शिन्धे) : (क) 1960-61, 1965-66, 1970-71 और 1971-72 के वित्तीय वर्षों के दौरान, राज्यों के लिये मुख्य उर्बरकों के मूल्य संभरण मूल्य निम्न प्रकार थे :—

(रुपये प्रति मीटर टन)

	1960-61	1965-66	1970-71	1971-72	
				(16-3-72 तक) (17-3-72 से)	
(क) अमोनियम सल्फेट	344.50	330.00	474.00	474.00	494.00
(ख) यूरिया (46% एन)	684.10	570.00	863.00 843.00	843.00	879.00
(ग) कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट (26% एन)	324.80	278.00	515.00	515.00	534.00
(घ) स्यूरेट थाॅफ पीटास	—कोई आयात नहीं		483.00 473.00	473.00	493.00
			(1-1-71 से)		

उपरोक्त मूल्य, समस्त देश में रवानगी स्टेशन तक पूर्व-दत्त रेलवे भाड़े सहित रेल तक निश्चयार मूल्य हैं।

(ख) एन० पी० के० के कृषि में देश में उत्पादित उर्वरकों और प्रायातित उर्वरकों की मात्रा नीचे दी गई है :—

	देशी			प्रायातित		
	एन	पी प्रो <sup>S</sup>	के, प्रो	एन	पी <sub>2</sub> प्रो	के, प्रो
1960-61	0 98	0 52	—	1 19	0.002	0 22
1965-66	2 32	1 23	—	3.26	0 14	0.85
1970-71	8 30	2 30	—	4.77	0 32	1 08
1971-72	9 52	2 78	—	4.80	2 50	2 80

(ग) कृषि विभाग राज्यों को पत्तनों पर प्रायातित उर्वरक नहीं देता है, अतः पत्तनों पर कोई मूल्य निर्धारित नहीं किया गया है। विभाग भारत में किसी भी रेलवे स्टेशन तक रेल-भाड़ा सहित अखिल भारतीय स्तर में समान मूल्य, जैसाकि, उपरोक्त 'क' के उत्तर में बताया गया है, बनाये रखता है। जम्मू और कश्मीर, असम तथा मेघालय जैसे राज्यों में भी, जिनमें पर्याप्त रेलवे सुविधायें उपलब्ध नहीं हैं, समान मूल्य बनाये रखने के लिए, विभाग कुछ स्वीकृत केन्द्रों तक की अधिक सड़क परिवहन लागत भी शामिल कर लेता है।

कोका कोला की बन्द बोटलों में कीड़ों का पाया जाना

6107 श्री चन्द्रलाल चन्नाकर : क्या स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को कोका कोला की बन्द बोटलों में फूँट के साथ-साथ कीड़े, मच्छर, मक्खियाँ और तिनके आदि पाये जाने की कुछ शिकायतें मिली हैं, और

(ख) यदि हाँ, तो इस बारे में क्या कार्यवाही की गई है ?

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री० डी० पी० चट्टोपाध्याय)

(क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

मध्य प्रदेश में कृषा कारखाने की स्थापना 6108 श्री गंगा चरण शीक्षित क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या मध्य प्रदेश के वनों में बहुत अधिक खेर के वृक्ष हैं और यदि हाँ, तो क्या वहाँ व्यापारियों द्वारा प्राकृत एवं अपराकृत रूप से कचरे का उत्पादन किया जाता है, और

(ख) क्या सरकार वहाँ कचरे का उत्पादन करने हेतु कचरे का आधुनिक कारखाना खोजने के लिए कोई कार्यवाही कर रही है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री० शेर सिंह) :

(क) और (ख) मध्य प्रदेश सरकार से जानकारी इकट्ठी की जा रही है और यथासमय सभा पटल पर रख दी जाएगी।

Functioning of Jayanti Shipping Co

6109 SHRI S M BANERJEE, Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state

(a) whether Jayanti Shipping Company has started proper functioning after its takeover ; and

(b) if so, the progress made after takeover ?

THE MINISTER OF PARLIMENTARY AFFAIRS AND SHIPPING AND TRANSPORT ( SHRI BAJ BAHADUR ) (a) Although the ownership of the company was taken over by Government in October 1971, its management had been taken over by Government much earlier on 11th June, 1966 and ever since then the company has been functioning properly.